O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

Half Yearly Examination (2025 – 2026)

Class : XII **MM: 80**

Subject: Hindi Core(Code 302) **Time: 3:00 Hrs**

Name: _____ Roll No.:_____

(Fifteen Minutes Extra will be given for reading the Question Paper.)

सामान्य निर्देश:

1 इस प्रश्न–पत्र में तीन खण्ड है–'क' , 'ख' और 'ग'।

2 खण्ड'क' में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे जाएँगे। सभी प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

3- खण्ड'ख' में अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्य–पुस्तक के आधार पर प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे।

4 खण्ड'ग' में आरोह भाग–2 और वितान भाग–2 पाठ्य–पुस्तक के आधार पर प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे।

5 यथासंभव तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खण्ड 'क' (अपठित बोध)

प्र01 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (10)

शिक्षा जीवन के सर्वांगीण विकास हेतु अनिवार्य है। शिक्षा के बिना मनुष्य विवेकशील और शिष्ट नहीं बन सकता। विवेक से मनुष्य में सही और गलत का चयन करने की क्षमता उत्पन्न होती है। विवेक से ही मनुष्य के भीतर उसके चारों ओर घटते घटनाक्रमों के प्रत्ति एक उचित दृष्टिकोण उत्पन्न होता है। शिक्षा ही मानव को मानव के प्रत्ति मानवीय भावनाओं से पोषित करती है।

शिक्षा से मनुष्य अपने परिवेश के प्रति जामत होकर कर्त्तव्याभिमुख हो जाता है। 'स्व' से 'पर' की ओर अग्रसर होने लगता है। निर्बल की सहायता करना, दुखियों के दुःख दूर करने का प्रयास करना, दूसरों के दुःख से दुःखी हो जाना और दूसरों के सुख से स्वयं सुख का अनुभव करना जैसी बातें एक शिक्षित मानव में सरलता से देखने को मिल जाती है। इतिहास, साहित्य, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र इत्यादि पढ़कर विद्यार्थी विद्वान् ही नहीं बनता, वरन् उसमें एक विशिष्ट जीवन दृष्टि, रचनात्मकता और परिपक्वता का सृजन भी होता है। शिक्षित सामाजिक परिवेश में व्यक्ति अशिक्षित सामाजिक परिवेश की तुलना में सदैव ही उच्च स्तर पर जीवनयापन करता है

आज के आधुनिक युग में शिक्षा का अर्थ बदल रहा है। शिक्षा भौतिक आकांक्षा की पूर्ति का साधन बनती जा रही है। व्यावसायिक शिक्षा के अंधानुकरण से छात्र सैद्धांतिक शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं, जिसके कारण रूस की क्रांति, फ्रांस की क्रांति, अमेरिकी क्रांति, समाजवाद, पूँजीवाद, राजनीतिक व्यवस्था, सांस्कृतिक मूल्यों आदि की सामान्य जानकारी भी व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को नहीं है।

यह शिक्षा का विशुद्ध रोज़गारोन्मुखी रूप है। शिक्षा के प्रति इस प्रकार का संकुचित दृष्टिकोण अपनाकर विवेकशील नागरिकों का निर्माण नहीं किया जा सकता। भारत जैसे विकासशील देश में शिक्षा रोज़गार का साधन न होकर साध्य हो गई है।

इस कुप्रवृत्ति पूर अंकुश लगाना आवश्यक है। जहाँ मानविकी के छात्रों को पत्रकारिता, साहित्य-सृजन, विज्ञापन, जनसंपर्क इत्यादि कोर्स भी कराए जाने चाहिए, ताकि उन्हें रोज़गार के लिए भटकना न पड़े, वहीं व्यावसायिक कोर्स करने वाले छात्रों को मानविकी के विषय; जैसे- इतिहास, साहित्य, राजनीतिशास्त्र, दर्शन आदि का थोड़ा-बहुत अध्ययन अवश्य करना चाहिए, ताकि समाज को विवेकशील नागरिक प्राप्त होते रहें, तभी समाज में संतुलन बना रह सकेगा।

बहुविकल्पीय प्रश्न

(क) एक शिक्षित व्यक्ति में समाज कल्याण हेतु किन बातों का होना आवश्यक है ? (1)

(i) निर्बल की सहायता करना (ii) दूसरों के दुःख से दुःखी हो जाना

(iii) दुःखियों के दुःख दूर करने का प्रयास करना (iv) उपरोक्त सभी

(ख) "शिक्षा भौतिक आकांक्षा की पूर्ति का साधन बनती जा रही है।" पंक्ति का क्या आशय है ? (1)

(i) व्यावसायिक शिक्षा मनुष्य को सभी सुविधाएँ उपलब्ध कराती है

(ii) व्यावसायिक शिक्षा वर्तमान में मात्र धन कमाने का साधन बनती जा रही है

(iii) व्यावसायिक शिक्षा मनुष्य के लक्ष्य प्राप्ति का साधन बन रही है

(iv) व्यावसायिक शिक्षा मानवीय मूल्यों का विस्तार करने का साधन है

(ग) व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को किसकी जानकारी नहीं होती ? (1)

1. राजनीतिक व्यवस्था

2. सांस्कृतिक मूल्यों की

3. सामाजिक इतिहास की

कूट

(i) केवल 1 (ii) केवल 2

(iii) 1 और 2 (iv) 1, 2 और 3

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

(घ) व्यावसायिक कोर्स करने वाले छात्रों को किसका अध्ययन अवश्य करना चाहिए ? (1)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

(ङ) स्व से पर की ओर अग्रसर होने से क्या तात्पर्य है ? (2)

(च) शिक्षा का विशुद्ध रोजगारोन्मुखी रूप क्या है ? (2)

छ) विद्यार्थी में रचनात्मकता और परिपक्वता का सृजन कैसे होता है? (2)

प्र02 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – – (8)

बहती रहने दो मेरी धमनियों में
जन्मदात्री मिट्टी की गंध,
मानवीय संवेदनाओं की पावनी
गंगा
सदा-सदा को वांछित रह सकने
वाले
पसीने की खारी यमुना।
शपथ खाने दो मुझे
केवल उस मिट्टी की
जो मेरे प्राणों का आदि है,
मध्य है, अंत है।
सिर झुकाओ मेरा

केवल उस स्वतंत्र वायु के सम्मुख
जो विश्व का गरल पीकर भी
बहता है
पवित्र करने को कण-कण।
क्योंकि
मैं जी सकता हूँ,
केवल उस मिट्टी के लिए
केवल इस वायु के लिए।
क्योंकि
मैं मात्र साँस लेती
खाल होना नहीं चाहता।

बहुविकल्पीय प्रश्न

(क). 'जन्मदात्री मिट्टी की गंध' पंक्ति में कवि की अभिव्यक्त इच्छा का स्वरूप है - (1)

(i) मातृभूमि के प्रति गहन अनुराग (ii) वर्षा से भीगी मिट्टी की गंध

(iii) अन्न उपजाने वाली मिट्टी की महक (iv) जन्म देने वाली माँ के प्यार की लालसा

(ख). कवि शपथ लेना चाहता है देश की उस मिट्टी की, जो उसके- (1)

(i) जीवन को बनाने वाली है (ii) जीवन की सर्वस्व है

(iii) रग-रग में व्याप्त है (iv) प्राणों का आधार है

(ग). पद्यांश के अनुसार, निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही कथन के विकल्प का चयन कीजिए। (1)

कथन 1 कवि यमुना की शपथ खाता है।

कथन 2 कवि मानवीय संवेदनाओं से काफी दूर है।

कथन 3 कवि अपनी जन्मदात्री मिट्टी के लिए जीवित रह सकता है।

कथन 4 कवि वास को प्राणदायी शक्ति स्वीकार करता है।

कूट

(i) 1 और 4 (ii) केवल 3

(iii) केवल 4 (iv) 2 और 4

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

(घ) कवि के लिए देश की मिट्टी क्या है ? (1)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

(ङ) 'मानवीय संवेदनाओं की पावनी गंगा' से कवि का आशय क्या है ? (2)

(च). 'मात्र साँस लेती खाल' का क्या आशय है? (2)

खण्ड 'ख' (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

प्र03 निम्नलिखित में से किसी एक अप्रत्याशित विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए–(6)

(क) प्रातः काल योग करते लोग

(ख) जब मैं स्कूल देर से पहुँचा

(ग) कमरे में लगी दीवार घड़ी और मन में उठने वाले विचार

प्र04 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए– (2X4=8)

क) टेलीविजन माध्यम की विशेषताएँ लिखिए।

ख) विशेषीकृत पत्रकारिता को संक्षेप में बताइए।

ग) स्तंभ लेखन से आप क्या समझते हैं?

घ) रेडियो समाचार की संरचना कैसे होती है ?

च) विशेष रिपोर्ट किसे कहते हैं ?

प्र05 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 80 शब्दों में उत्तर दीजिए– **(4X2=8)**

क) इंटरनेट पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं ? भारत में इंटरनेट पत्रकारिता की क्या स्थिति है ?

ख) रेडियो नाटक के लेखन और सिनेमा और रंगमंच के लेखन में क्या अंतर है ?

ग) जनसंचार का कौन सा आधुनिक माध्यम सबसे पुराना है। इसकी शुरुआत कैसे हुई ?

खण्ड 'ग' (पाठ्य–पुस्तक आरोह भाग–2 वितान भाग–2 के आधार पर)

प्र06 निम्ललिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए – **(1X5=5)**

धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलाहा कहौ कोऊ।

काहू की बेटीसों बेटा न ब्याहब, काहूकी जाति बिगार न सोऊ ।।

तुलसी सरनाम गुलामु है राम को, जाको रुचै सो कहै कछु ओऊ ।

माँगि कै खैबो, मसीत को सोइबो, लैबो को एकु न दैबको दोऊ।

(क) प्रस्तुत काव्यांश का केंद्रीय विषय क्या है? दिए गए कथन में से सही कथन का चयन कीजिए।

(i) रामभक्ति का प्रचार करना

(ii) सामाजिक व्यवस्था के पोषकों पर व्यंग्य करना

(iii) जाति-पाँति का समर्थन करना

(iv) समाज विहीन राष्ट्र की कल्पना करना

(ख) कथन (A) तुलसीदास स्वयं को रामभक्त कहकर स्वयं को राम का गुलाम कहते हैं।

कारण (R) कवि को समाज की हँसी व्यथित करती है।

कूट

(i) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(ii) कथन (A) और कारणं (R) दोनों सही हैं, परंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(iii) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।

(iv) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ग) तुलसीदास किसी से संबंध रखकर क्या नहीं बिगाड़ना चाहते हैं?

(i) अपना स्वाभिमान (ii) दूसरे का आत्मविश्वास

(iii) दूसरे की जाति (iv) अपनी जाति

(घ) तुलसीदास को परंपरावादी एवं रूढ़िग्रस्त समाज में रहते हुए भी उससे मुक्त और बेफिक्र कौन बनाता है?

(i) उनका अभिमान (ii) भक्ति के बल से उपजी दृढ़ता

(iii) राम के प्रति अनास्था (iv) समाज के बंधन

(ङ) 'लैबो को एकु न दैबको दोऊ' पंक्ति का क्या आशय है?

(i) किसी से दो लेना है और एक देना है (ii) स्वार्थ की पूर्ति के लिए संबंध रखना

(iii) किसी पर निर्भर न रहना (iv) भविष्य हेतु चिंतित होना

प्र07 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए– (3X2=6)

क) बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झाक रहे होंगे ? 'दिन जल्दी–जिल्दी ढलता है' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

ख) 'सबसे तेज बौछारें गई, भादो गया ' के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने पतंग कविता में दिखाया है , उसका वर्णन अपने शब्दों में करें ।पतंग कविता में कवि ने बच्चों की तुलना किससे की है और क्यों ?

ग) भाषा को सहूलियत से बरतने से क्या अभिप्राय है ? 'बात सीधी थी पर' कविता के आधार पर बताइए।

प्र08 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए– (2X2=4)

क) 'कैमरे में बंद अपाहिज' करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है। स्पष्ट कीजिए।

ख) 'लक्ष्मण मूर्च्छा और राम का विलाप' कविता में शोकग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को करुण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है ?

ग) संसार में कष्टों को सहते हुए भी खुशी और मस्ती का माहौल कैसे पैदा किया जा सकता है ?

प्र09 निम्ललिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए – (1X5=5)

पड़ोस में एक महानुभाव रहते हैं, जिनको लोग भगत जी कहते हैं। चूरन (चूर्ण) बेचते हैं। यह काम करते, जाने उन्हें कितने बरस हो गए हैं, लेकिन किसी एक भी दिन चूरन से उन्होंने छः आने से ज्यादा पैसे नहीं कमाए। चूरन उनका आस-पास सरनाम है और खुद खूब लोकप्रिय हैं। कहीं व्यवसाय का गुर पकड़ लेते और उस पर चलते तो आज खुशहाल क्या, मालामाल होते। क्या कुछ उनके पास न होता। इधर दस वर्षों से मैं देख रहा हूँ, उनका चूरन हाथों-

हाथ विक जाता है। पर वह न उसे थोक में देते हैं, न व्यापारियों को बेचते हैं। पेशगी ऑर्डर कोई नहीं लेते। बँधे वक्त पर अपनी चूरन की पेटी लेकर घर से बाहर हुए नहीं कि देखते-देखते छः आने की कमाई उनकी हो जाती है। लोग उनका चूरन लेने को उत्सुक जो रहते हैं। चूरन से भी अधिक शायद वह भगत जी के प्रति अपनी सद्भावना का देय देने को उत्सुक रहते हैं। पर छः आने पूरे हुए नहीं कि भगत जी बाकी चूरन बालकों को मुफ़्त बाँट देते हैं। कभी ऐसा नहीं हुआ कि कोई उन्हें पच्चीसवाँ पैसा भी दे सके। कभी चूरन में लापरवाही नहीं हुई और कभी रोग होता भी मैंने उन्हें नहीं देखा है।

(क) कथन (A) भगत जी व्यवसाय करने के उद्देश्य से चूरन बाज़ार में बेचते थे।

कारण (R) भगत जी खूब लोकप्रिय थे, उन्होंने चूरन को अपना व्यवसाय नहीं बनाया।

कूट

(1) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(ii) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(iii) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।

(iv) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) चूरन बेचने वाले का स्वभाव कैसा था?

(i) संतोषी (ii) स्वार्थी

(iii) गंभीर (iv) अहंकारी

(ग) चूरन शीघ्र बिक जाने का क्या कारण था?

(i) चूरन बेचने वाले की जान पहचान (ii) चूरन की गुणवत्ता

(iii) चूरन के मूल्य का कम होना (iv) चूरन की माँग

(घ) चूरन खरीदने वालों की उत्सुकता का क्या कारण बताया गया है?

(i) भगत जी के प्रति उनकी सद्भावना

(ii) भगत जी की बालकों को मुफ्त में चूरन बाँटने की प्रवृत्ति

(iii) भगत जी का व्यापारी स्वभाव

(iv) भगत जी का अधिक पुराना व्यापारी होना

(ङ) भगत जी सदैव किस नियम पर डटे रहते थे?

(i) कम चूरन बेचना

(ii) बाज़ार का मोल-भाव न करना

(iii) छः आने से अधिक का चूरन न बेचना

(iv) बच्चों को कम कीमत पर चूरन बेचनाभर न

प्र010 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए– **(3X2=6)**

क) 'काले मेघा पानी दे' संस्मरण में जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया है ?

ख) लुट्टन पहलवान ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं, यही ढोल है ?

ग) भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों से क्यों छुपाती थी ? भक्तिन को यह नाम किसने और क्यों दिया होगा ?

प्र011 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए– **(2X2=4)**

क) भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई ?

ख) बाजार का जादू किन लोगों पर अधिक असर करता है ? इसके चढ़ने–उतरने पर क्या स्थिति होती है ?

ग)'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर बताइए कि लुट्टन सिंह को राज पहलवान की पदवी कैसे मिली ?

पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2

प्र012 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 100 शब्दों में उत्तर दीजिए– **(5X2=10)**

क) क्या यशोधर बाबू के व्यक्तित्व को समझकर नई पीढ़ी को उनके सिद्धांतों को अपनाना चाहिए। इस कथन से आप सहमत है या नहीं। लिखिए।

ख) ''जन्म भर खेत में काम करते रहने पर भी हाथ कुछ नहीं लगेगा'' 'जूझ' पाठ में उद्धृत इस कथन के संदर्भ में लिखिए कि वर्तमान समय में युवा खेती बाड़ी छोड़कर नौकरी की तरफ क्यों आकर्षित हो रहे हैं ? इसे किस प्रकार कम किया जा सकता है

ग) आपके ख्याल से पढ़ाई–लिखाई के संबंध में लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था या लेखक के पिता का ? 'जूझ' कहानी के आधार पर तर्क सहित उत्तर दें।

——000——